जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

दर्शनशास्त्र विभाग

अध्ययन समिति (08 सितम्बर 2018) द्वारा संवर्द्धित एवं स्वीकृत स्नातकोत्तर (दर्शनशास्त्र) का पाठ्यक्रम

JANANAYAK CHANDRASHEKHAR UNIVERSITY, BALLIA

Department of Philosophy

Syllabus of M.A. (Philosophy) as Augmented & Accepted by the Board of Studies (Dated 28 October 2017)

Department of Philosophy

Session 2018-19

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र प्रथम

भारतीय दर्शन– I

इकाई – 1

उपनिषद् : ब्रह्म, आत्मा।

गीता : निष्काम कर्मयोग, स्थितप्रज्ञ।

इकाई – 2

चार्वाक : ज्ञानमीमांसा, तत्त्वमीमांसा एवं आचारमीमांसा।

इकाई – 3

जैन दर्शन : स्याद्वाद, अनेकान्तवाद, बन्धन एवं मोक्ष।

इकाई – 4

बौद्ध दर्शन : प्रतीत्यसमुत्पाद, अनात्मवाद, निर्वाण, बौद्ध दर्शन के चार सम्प्रदाय।

Department of Philosophy
M.A. Semester I
Paper I

Indian Philosophy – I

Unit – 1

Upanishad : Brahman, Atman

Gita : Niskama Karmayoga, Sthitaprajna

Unit – 2

Charvaka : Epistemology, Metaphysics and Ethics.

Unit – 3

Jainism : Syadvada, Anekantavada, Bondage and Liberation.

Unit – 4

Buddhism : Pratityasamutpada, Anatmavada, Nirvana, Four Sects of Buddhism.

Suggested Readings :

1. S. Radhakrishnan : Indian Philosophy, Vol. I & II
2. S. N. Dasgupta : History of Indian Philosophy, Vol. I, II & III
3. C. D. Sharma : A Critical Survey of Indian Philosophy
4. M. Hirianna : Outlines of Indian Philosophy
5. Yadunath Sinha : Indian Philosophy, Vol. I & II
6. संगम लाल पाण्डेय : भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण
7. नन्द किशोर देवराज : भारतीय दर्शन
8. दत्त एवं चटर्जी : भारतीय दर्शन
9. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा : भारतीय दर्शन की रूपरेखा
10. बलदेव प्रसाद उपाध्याय : भारतीय दर्शन
11. चन्द्रधर शर्मा : भारतीय दर्शन आलोचना एवं अनुशीलन
12. बी0 एन0 सिंह : भारतीय दर्शन की रूपरेखा
13. बी0 एन0 सिन्हा : भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त एवं समस्याएं

दर्शनशास्त्र विभाग

एम0ए0 सेमेस्टर प्रथम,

प्रश्नपत्र द्वितीय

ग्रीक एवं मध्ययुगीन दर्शन

इकाई – 1

सुकरात के पूर्व ग्रीक दर्शन का सामान्य परिचयः थेलीज, पाइथागोरस, पार्मेनाइडीज, हेरेक्लाइटस।

इकाई – 2

प्लेटो – प्रत्यय का स्वरूप, प्रत्ययवाद, शुभ का प्रत्यय, ज्ञान का सिद्धान्त।

इकाई – 3

अरस्तू – प्लेटो के प्रत्ययवाद का खण्डन, द्रव्य एवं आकार, कारणता, सामान्य एवं विशेष।

इकाई – 4

सन्त एक्विनस – ईश्वर, ईश्वर के अस्तित्व हेतु तर्क, सन्त आगस्टाइन –ईश्वर, अशुभ की समस्या, संकल्प की स्वतन्त्रता।

Department of Philosophy

M.A. Semester - I

Paper – II

Greek and Medieval Philosophy

Unit – 1

General Introduction to Pre-Socratic Greek Philosophy : Thales, Pythagoras, Parmenides, Heraclitus.

Unit – 2

Plato : Nature of Idea, Idealism, Idea of Good, Theory of Knowledge.

Unit – 3

Aristotle: Refutation of Plato's Idealism, Form and Matter, Causality, Universal and Particular.

Unit – 4

Saint Aquinas: God, Proofs for the Existence of God.

Saint Augustine: God, Problem of Evil, Freedom of Will.

Suggested Readings:

1. B. A. G. Fuller: History of Western Philosophy.
2. Falkenberg : A History of Modern Philosophy
3. Frank Thilly : A History of Philosophy
4. Berteand Russell : A History of Western Philosophy
5. W. T. Stace : A Critical History of Greek Philosophy
6. W. K. Wright : A History of Modern Philosophy
7. दयाकृष्ण : पाश्चात्य दर्शन, वाल्यूम I & II
8. याकूब मसीह : पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास
9. हरिशंकर उपाध्याय : पाश्चात्य दर्शन का उद्‌भव और विकास
10. अर्जुन मिश्र : पाश्चात्य दर्शन की मुख्य धारायें
11. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : अर्वाचीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास
12. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : ग्रीक एवं मध्ययुगीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास
13. सी0 डी0 शर्मा : पाश्चात्य दर्शन
14. डॉ0 बी0 एन0 सिंह : पाश्चात्य दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर प्रथम,
प्रश्नपत्र तृतीय

समाज दर्शन

इकाई – 1

मानव स्वभाव की उत्पत्ति, समाज की उत्पत्ति, संस्थाओं की उत्पत्ति, समाज के दार्शनिक आधार, समाज दर्शन की विधियाँ, समाज दर्शन का अध्ययन क्षेत्र, समाज दर्शन का दर्शनशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं समाजशास्त्र से सम्बन्ध।

इकाई – 2

मानव एवं समाज के लक्ष्य, इन लक्ष्यों की प्राप्ति में परिवार, विवाह, वर्णाश्रम की भूमिका। सामाजिक संस्था– परिवार एवं विवाह के प्राकृतिक एवं नैतिक आधार। सामाजिक परिवर्तन, परम्परा एवं आधुनिकता।

इकाई – 3

सामाजिक दार्शनिक के रूप में महात्मा गांधी, डॉ0 भगवानदास, डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर एवं महर्षि अरविन्द के विचार।

इकाई – 4

समाजवाद के सम्बन्ध में आचार्य नरेन्द्रदेव, राममनोहर लोहिया, रविन्द्रनाथ ठाकुर एवं सुभाषचन्द्र बोस के विचार।

Department of Philosophy
M.A. Semester - I
Paper – III (Optional)

Social Philosophy

Unit – 1

Origin of Human Nature, Origin of Society, Origin of Institutions, Philosophical Basis of Society, Methods of Social Philosophy, Scope of Social Philosophy, Relation of Social Philosophy with Philosophy, Political Science and Sociology.

Unit – 2

Goals of Human and Society, The Role of Family, Marriage, Varna Ashrama to Acheive these Goals. Social Institutions : Natural and Moral Basis of Family and Marriage. Social Change, Tradition and Modernity.

Unit – 3

The Thought of Mahatma Gandhi, Dr. Bhagwandass, Dr. B. R. Ambedkar and Maharshi Aurobindo as Social Philosopher.

Unit – 4

The Thought of Acharya Narendra Dev, Ram Manohar Lohiya, Ravindra Nath Thakur and Subhash Chandra Bose, regarding Socialism.

Suggested Readings:

1. A. K. Sinha : An Outlines of Social Philosophy.
2. J. S. Mackenzie : An Outlines of Social Philosophy.
3. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : समाज दर्शन की भूमिका
4. शिवभानु सिंह : समाज दर्शन का सर्वेक्षण
5. हृदय नारायण मिश्र : समाज दर्शन (सैद्धान्तिक एवं समस्यात्मक)
6. वशिष्ठ नारायण सिन्हा : समाज दर्शन
7. गीतारानी अग्रवाल : धर्म शास्त्रों का समाजदर्शन
8. संगम लाल पाण्डेय : समाज दर्शन की एक प्रणाली
9. पिताम्बर दास : डॉ0 भीमराव अम्बेडकर का मानववाद
10. पिताम्बर दास एवं ओम प्रकाश सोनिया : सामाजिक पुनर्निर्माण में डॉ0 भगवानदास के धर्मदर्शन का योगदान
11. सविता भारद्वाज : भारत का सामाजिक और राजनैतिक दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग

एम0ए0 सेमेस्टर प्रथम,

प्रश्नपत्र चतुर्थ

नीतिशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)

इकाई – 1

क. नीतिशास्त्र की परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र, नैतिक कर्म एवं गैर–नैत्तिक कर्म, नैतिक निर्णय इसका स्वरूप, विषय एवं विशेषताएं।

ख. भारतीय नीतिशास्त्र की विशेषताएं।

ग. भारतीय नैतिकता की पूर्वमान्यतायें– कर्मवाद, पुनर्जन्म, आत्मा की अमरता।

इकाई – 2

क. पुरूषार्थ की अवधारणा।

ख. निष्काम कर्म व स्थित प्रज्ञ।

ग. गाँधी का नैतिक दर्शनः– अहिंसा का सिद्धान्त एवं सत्याग्रह की अवधारणा।

इकाई – 3

क. अरस्तू के अनुसार सद्गुणों का स्वरूप।

ख. अरस्तू के नैतिक दर्शन में मध्यम मार्ग।

ग. बेन्थम का उपयोगितावाद।

घ. मिल का उपयोगितावाद।

इकाई – 4

क. संकल्प की स्वतन्त्रता और नैतिक उत्तरदायित्व।

ख. काण्ट का नैतिक दर्शन– शुभ संकल्प, कर्तव्य के लिए कर्तव्य, निरपेक्ष आदेश, नैतिकता की पूर्व–मान्यताएं।

ग. नीत्शे– मूल्यों का मूल्यांतरण।

Department of Philosophy

M.A. Semester - I

Paper – IV

Ethics (Indian and Western)

Unit – 1

(i). Definition of Ethics, its Nature and scope, Moral action and Non-moral action, Moral Judgement, its nature, object and characteristics.

(ii). Characteristics of Indian Ethic.

(iii). Postulates of Indian Morality: Karmavad, Rebrith and Immortality of Soul.

Unit – 2

(i). The Concept of Purusartha..

(ii). Niskam-Karma and Sthitprajana.

(iii). Gandhian moral Philosophy: Concept of Non-violance and concept of Satyagraha.

Unit – 3

(i). The Nature of Virtue according to Aristole.

(ii). The Golden Mean in Aristotle's Moral Philosophy.

(iii) Bentham's Utililerianism
(iv) Mills Utilitarianism.

Unit – 4

(i). Freedom of will and Moral Responsibility.

ii). Kant's Moral Philosophy: Good Will, Duty for Duty Sake, Categorical Imperative, Postulates of Morality.

iii) Nietzsche-Trans-valuation of Values.

Suggested Readings :

1. Aristotle: Nichomachean Ethics.
2. William Lillie: Introduction of Ethics
3. Kant: Foundation of the Metaphysics of Morals
4. William K. Frankena and Johri T. Granrose (ed.): Introductory Readings in Ethics.
5. Sellers and Hosperse (ed.): Readings in Ethical Theory
6. वेद प्रकाश वर्मा : नीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त
7. नित्यानन्द मिश्रः नीतिशास्त्र
8. बी0एन0 सिंह : नीतिशास्त्र
9. संगम लाल पाण्डेयः नीतिशास्त्र का सर्वेक्षण
10. राजवीर सिंह शेखावत (सम्पा0): भारतीय नीतिशास्त्र

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर द्वितीय
प्रश्नपत्र प्रथम
भारतीय दर्शन– II

इकाई – 1

सांख्य : सत्कार्यवाद, पुरुष, प्रकृति, विकासवाद।
योग : अष्टांगयोग।

इकाई – 2

न्याय : प्रमाण, ईश्वर।

वैशेषिक : पदार्थ।

इकाई – 3

मीमांसा : कर्म का स्वरूप, प्रामाण्यवाद।

अद्वैत वेदान्त : ब्रह्म, माया एवं मोक्ष का स्वरूप।

इकाई – 4

विशिष्टाद्वैत वेदान्त : ब्रह्म, ईश्वर, मायावाद का खण्डन, मुक्ति।

Department of Philosophy
M.A. Semester – II
Paper - I
Indian Philosophy – II

Unit – 1

Samkhya : Satkaryavada, Purusha, Prakriti, Evolutionism.

Yoga : Astangyoga.

Unit – 2

Nyay : Pramana, Ishwara.

Vaisesika : Padartha.

Unit – 3

Mimamsa : Nature of Karma, Pramanyavada.

Advaita Vedanta : Brahman, Maya and Nature of Liberation.

Unit – 4

Visistadvaita Vedanta : Brahman, Ishwara, Refutation of Mayavada of Shankara, Liberation.

Suggested Readings :

1. S. Radhakrishnan : Indian Philosophy, Vol. I & II.
2. S. N. Dasgupta : History of Indian Philosophy, Vol. I, II & III.
3. C. D. Sharma : A Critical Survey of Indian Philosophy.
4. M. Hirianna : An Outlines of Indian Philosophy.
5. Yadunath Sinha : Indian Philosophy, Vol. I & II.
6. संगम लाल पाण्डेय : भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण
7. नन्द किशोर देवराज : भारतीय दर्शन
8. दत्त एवं चटर्जी : भारतीय दर्शन
9. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा : भारतीय दर्शन की रूपरेखा
10. बलदेव प्रसाद उपाध्याय : भारतीय दर्शन
11. चन्द्रधर शर्माः भारतीय दर्शनः आलोचना एवं अनुशीलन
12. बी0 एन0 सिंह : भारतीय दर्शन की रूपरेखा
13. बी0 एन0 सिन्हा : भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त एवं समस्याएं

दर्शनशास्त्र विभाग

एम0 ए0, सेमेस्टर द्वितीय,

प्रश्नपत्र द्वितीय

आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

इकाई – 1

डेकार्ट : 'मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ', ईश्वर के अस्तित्व सम्बन्धी प्रमाण, मन–शरीर समस्या (अन्तक्रियावाद)।

स्पिनोजा : द्रव्य गुण एवं पर्याय, मन– शरीर सम्बन्ध (समानान्तरवाद), सर्वेश्वरवाद।

इकाई – 2

लाइबनित्ज : चिदणुवाद, पूर्व स्थापित सामन्जस्य।

लॉक : जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन, ज्ञान का स्वरूप एवं सीमा।

इकाई – 3

बर्कले : अमूर्त प्रत्ययों का खण्डन, आत्मगत प्रत्ययवाद।

ह्यूम : संस्कार और विज्ञान, सरल एवं मिश्र प्रत्यय, प्रत्यय–साहचर्य के नियम और ज्ञान, सन्देहवाद, कारणता सिद्धान्त।

इकाई – 4

काण्ट : समीक्षावाद, संश्लेषणात्मक अनुभव निरपेक्ष निर्णय, देश एवं काल।

हेगेल : निरपेक्ष सत् का स्वरूप, द्वन्द्वात्मक पद्धति, वस्तुगत प्रत्ययवाद।

Department of Philosophy
M.A. Second - II
Paper – II

Modern Western Philosophy

Unit – 1

Descartes : 'Cogito ergo Sum', Proofs for the Existence of God, Mind-Body Problem (Interaclionism)

Spinoza : Substance, Attributes and Modes, Mind–Body Relation (Parallelism), Pantheism .

Unit – 2

Leibnitz : Monadology, Pre-established Harmony.

Locke : Refutation of Innate Ideas, Nature and Limits of Knowledge.

Unit – 3

Berkeley : Refutation of Abstract Ideas, Subjective Idealism.

Hume : Impressions and Ideas, Simple and Compound Ideas, Laws of Association of Ideas and Knowledge, Scepticism, causation theory.

Unit – 4

Kant : Criticism, Synthetic Apriori Judgments, Space and Time.

Hegel : Nature of Absolute Reality, Dialectic Method, Objective Idealism.

Suggested Readings :

1. B. A. G. Fuller : History of Western Philosophy.
2. Falkenberg : A History of Modern Philosophy
3. Frank Thilly : A History of Philosophy
4. Bertrand Russell : A History of Western Philosophy
5. W. T. Stace : A Critical History of Greek Philosophy
6. W. K. Wright : A History of Modern Philosophy
7. दयाकृष्ण : पाश्चात्य दर्शन वाल्यूम I & II
8. याकूब मसीह : पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास
9. हरिशंकर उपाध्याय : पाश्चात्य दर्शन का उद्‌भव और विकास
10. अर्जुन मिश्र : पाश्चात्य दर्शन की मुख्य धारायें
11. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : अर्वाचीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास

दर्शनशास्त्र विभाग

एम0ए0 सेमेस्टर द्वितीय,

प्रश्नपत्र तृतीय

राजनीतिक दर्शन

इकाई – 1

राज्य के दार्शनिक आधार, राज्य के मूल तत्त्व, राज्य की उत्पत्ति के विभिन्न सिद्धान्त, राज्य के स्वरूप से सम्बन्धित विभिन्न मत। राजनीतिक दर्शन का स्वरूप एवं विधियाँ।

इकाई – 2

न्याय की दार्शनिक पृष्ठभूमि, न्याय के विभिन्न सिद्धान्त, न्याय की आवश्यकता, दण्ड की नैतिक पृष्ठभूमि, दण्ड के विभिन्न सिद्धान्त, राज्य के सन्तुलन में दण्ड की भूमिका, विश्व युद्ध एवं शान्ति में अन्तर्राष्ट्रीय कानून एवं अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता की भूमिका।

इकाई – 3

सामाजिक आदर्शः अभिजात्य एवं लोकतान्त्रिक, व्यक्ति एवं राज्य के विकास में इनकी भूमिका, लोकतन्त्र की दार्शनिक पृष्ठभूमि, लोकतन्त्र के आधार, क्या लोकतन्त्र सर्वश्रेष्ठ तन्त्र है?

इकाई – 4

सामाजिक विचारधाराएँ : पूँजीवाद की दार्शनिक पृष्ठभूमि, पूँजीवाद के गुण एवं दोष, समाजवाद के दार्शनिक आधार, समाजवाद का लक्ष्य, व्यक्ति एवं राज्य के विकास में साम्यवाद की भूमिका, फासीवाद के आधार एवं औचित्य, नाजीवाद का नैतिक औचित्य।

Department of Philosophy

M.A. Semester II

Paper – III (Optional)

Political Philosophy

Unit – 1

Philosophical Basis of State, Basic Elements of State, Various Theories for the Origin of State, Various Theories for the Nature of State, Nature and Methods of Political Philosophy.

Unit – 2

Philosophical Backgrounds of Justice, Various Theories of Justice, Need of Justice, Moral Backgrounds of Punishment, Various Theories of Punishment, Role of Punishment in the Stability of State, Role of International Morality and Laws in the World War and Peace.

Unit – 3

Social Ideology : Aristocratic and Democratic, Their Role in the Progress of Man and State, Philosophical Backgrounds of Democracy, Basis of Democracy, Is Democracy best System?

Unit – 4

Social Ideology : Philosophical Backgrounds of Capitalism, Merits and Demerits of Capitalism, Philosophical Basis of Socialism, Aims of Socialism, Role of Communism in the progress of Man and State, Basis and justification of Facism, Moral justification of Nazism.

Suggested Readings :

1. George H. Sabine : A History of Political Philosophy.
2. D. D. Raphael : Problems of Political Philosophy.
3. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : समाज दर्शन की भूमिका
4. शिव भानु सिंह : समाजदर्शन का सर्वेक्षण
5. हृदय नारायण मिश्र : सामाजिक एवं राजनैतिक दर्शन
6. संगम लाल पाण्डेय : समाज दर्शन की एक प्रणाली
7. पिताम्बर दास : डॉ0 भीमराव अम्बेडकर का मानववाद
8. बी0 एन0 सिन्हा : समाजदर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग

एम0ए0 सेमेस्टर द्वितीय,

प्रश्नपत्र चतुर्थ

अधिनीतिशास्त्र एवं अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र

इकाई – 1

क. अधिनितिशास्त्र की परिभाषा एवं स्वरूप, अधिनीतिशास्त्र की मूल समस्यायें, अधिनीतिशास्त्र और मानकीय नीतिशास्त्र।

ख. संज्ञानवाद– प्रकृतिवाद एवं निर्प्रकृतिवाद।

ग. मूरः शुभ का अर्थ और प्रकृतिवादी तर्कदोष।

इकाई – 2

क. असंज्ञानवाद– स्वरूप एवं विशेषतायें।

ख. ए0जे0 एअरः– शुभ का अर्थ एवं नैतिक निर्णय।

ग. संवेगवाद– स्टीवेन्सनः नैतिक निर्णय का अर्थ एवं स्वरूप, नैतिक असहमति।

घ. परामर्शवाद– आर0एम0 हेयर : नैतिक निर्णय का अर्थ एवं स्वरूप।

इकाई – 3

क. अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र आवश्यकता।

ख. मनुष्य प्रकृति सम्बन्ध।

ग. पारिस्थितिकी नीतिशास्त्र।

इकाई – 4

क. जीवन का अर्थ एवं मूल्य।

ख. भ्रूण हत्या

ग. इच्छामृत्यु–नैतिक या अनैतिक?

घ. आत्महत्या की परिभाषा एवं नैतिक मूल्यांकन।

Department of Philosophy
M.A. Semester – II
Paper – IV

Meta-ethics and Applied Ethics

Unit – 1

(i). Definition and Nature of Meta- ethics, fundamental problemes of Metaethics, Metaethics and normative ethics.

(ii). Cognitivism-Naturalism and Non-Naturalism.

(iii). Moore: Meaning of Good and Naturalistic Fallacy.

Unit – 2

(i). Nature and Characteristics of Non-Cognitivism.

(ii). A.J. Ayer: Meaning of Good and Nature of Moral Judgement.

(iii). Emotivism-Steuenson: Meaning and Nature of Moral Judgement.

(iv). Prescriptivsm-R.M. Hard: Meaning and Nature of Moral Judgements.

Unit – 3

(i). Definition of applied Ethics, its nature scope its necessity, Problems of applied ethics.
(ii). Man-Nature Relation.

(iii). Ecological Ethics.

Unit – 4

(i). Meaning and Value of Life.

(ii). Abortion

(iii). Euthanasia.

iii). Sucide, Definition and Evaluation.

Suggested Readings :

1. W. D. Hudson : Modern Moral Philosophy
2. Binkley : Contemporary Ethical Theories
3. Marry Warnock : Ethics Since 1900
4. G. J. Warnock : Contemporary Moral Philosophy
5. Rechard B. Brandt : Ethical Theory
6. Peter Singer : Practical Ethics
7. वेद प्रकाश वर्मा : अधिनीतिशास्त्र के मुख्य सिद्धान्त
8. नित्यानन्द मिश्र : नीतिशास्त्र

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर तृतीय,
प्रश्नपत्र प्रथम

समकालीन भारतीय दर्शन

इकाई – 1

महात्मा गांधी : ईश्वर, सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह एवं गीतामाता की धारणा।

इकाई – 2

श्री अरविन्द : व्यक्ति, प्रकृति एवं ईश्वर की अवधारणा, दिव्यजीवन–बोध, समग्रयोग।

इकाई – 3

स्वामी विवेकानन्द : सार्वभौमिक धर्म, राजयोग, व्यक्ति का स्वरूप, व्यावहारिक वेदान्त।

इकाई – 4

डॉ0 एस0 राधाकृष्णन् : तत्त्व–विचार, मोक्ष विचार, भारतीय जीवन दृष्टि।

Department of Philosophy
M.A. Semester – III
Paper – I

Contemporary Indian Philosophy

Unit – 1

Mahatma Gandhi : God, Truth, Non-Violence, Satyagrah and Concept of Geetamata.

Unit – 2

Sri Aurbindo : Conception of Man, Nature and God, Realization of Divine life, Integral Yoga.

Unit – 3

Swami Vivekananda : Universal Religion, Rajyoga, Concept of Man, Practical Vedanta.

Unit – 4

Dr. S. Radhakrishnan – Metaphysics, Indian view of Life, Liberation.

Suggested Readings :

1. D. M. Dutta : Chief Currents of Contemporary Philosophy.
2. Dr. S. Radhakrishnan : Indian Philosophy, Vol. I & II, Idealistic View of Life
3. Dr. R. S. Srivastava : Contemporary Indian Philosophy.
4. बी0 के0 लाल : समकालीन भारतीय दर्शन
5. शान्ति जोशी : समसामयिक भारतीय दार्शनिक
6. ए0 सी0 भट्टाचार्या : श्री अरविन्द दर्शन
7. डॉ0 लक्ष्मी सक्सेना (सम्पा0) : समसामयिक भारतीय दार्शनिक
8. डॉ0 राजेश कुमार मिश्र एवं डॉ0 गजेन्द्र नारायण मिश्र : श्री अरविन्द का तत्त्व दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर तृतीय
प्रश्नपत्र द्वितीय
समकालीन पाश्चात्य दर्शन – I

इकाई – 1

समकालीन पाश्चात्य दर्शन की प्रवृत्तियाँ, जी0ई0मूर : विज्ञानवाद का खण्डन, इन्द्रिय प्रदत्त, फ्रेगे : अर्थ और वस्तु सूचकता।

इकाई – 2

बर्ट्रेण्ड रसेल : तार्किक परमाणुवाद, तटस्थ एकत्ववाद, परिचयात्मक और विवरणात्मक ज्ञान, अर्थ का वस्तुसूचकता सिद्धान्त।

इकाई – 3

लुडविग विट्गेन्स्टाइन : तार्किक परमाणुवाद, अर्थ का चित्र सिद्धान्त, वाक्य और प्रतिज्ञप्ति, नाम और वस्तु।

इकाई – 4

तार्किक भाववाद : ए0 जे0 एयर : सत्यापन सिद्धान्त और इसकी विधियाँ, कथन और प्रतिज्ञप्ति, तत्त्वमीमांसा का निरसन, दर्शन का कार्य।

Department of Philosophy
M.A. Semester – III
Paper – II

Contemporary Western Philosophy - I

Unit – 1

Tendencies of Contemporary Western Philosophy- G. E. Moore : Refutation of Idealism, Sense Data, Frege : Meaning and Reference.

Unit – 2

Bertrand Russell : Logical Atomism, Neutral Monism, Knowledge by Acquaintance and Knowledge by Descriptive, Referential Theory of Meaning.

Unit – 3

Ludwig Wittgenstein : Logical Atomism, Picture Theory of Meaning, Sentence and Proposition, Name and Object.

Unit – 4

Logical Positivism -A.J. Ayer : Verification Principle and Methods, Statement and Proposition, Elimination of Metaphysics, Function of Philosophy.

Suggested Readings :

1. D. M. Dutta : Chief Currents of Contemporary Philosophy
2. John Hospers : An Introduction to Philosophical Analysis
3. Ammerman : Classics of Analytic Philosophy
4. Richard Rorty : The Linguistic Turn
5. Pitcher : The Philosophy of Wittgenstein
6. J. Passmore : A Hundred Years of Philosophy
7. नित्यानन्द मिश्र : समकालीन पाश्चात्य दर्शन
8. बसन्त कुमार लाल : समकालीन पाश्चात्य दर्शन
9. लक्ष्मी सक्सेना : समकालीन पाश्चात्य दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर तृतीय,
प्रश्नपत्र तृतीय
शांकर वेदान्त – I

इकाई – 1

1. ब्रह्मसूत्र शांकरभाज्य– चतुःसूश्री
2. वेदान्त परिभाषा– प्रमेय विचार।

अध्यास, विवर्तवाद, अनिर्वचनीय ख्यातिवाद।

इकाई – 2

प्रथम सूत्र – अथातो ब्रह्मजिज्ञासा, द्वितीय सूत्र – जन्माद्यस्य यतः, इत्यादि की व्याख्या, साधन चतुष्ट्य, ब्रह्म के तटस्थ लक्षण का महत्व।

इकाई – 3

तृतीय सूत्र –शास्त्रयोनित्वात्, चतुर्थ सूत्र – तत्तु समन्वयात्, व्याख्या, कर्मविद्याफल, ब्रह्मविद्याफल।

इकाई – 4

ब्रह्म का स्वरूप, आत्मा (जीव), जगत्, माया, मोक्ष।

Department of Philosophy
M.A. Semester – III
Paper – III (Optional)

Sankara Vedanta - I

Unit – 1

Adhyasa, Vivartavada, Anirvachaniya Khayativada.

Unit – 2

First Aphorism – Athato Brahmajijnasa, Second aphorism - Janmadyasya Yatah, with Exploration, Fourfold Means Importance of Tatastha Lakshana of Brahman.

Unit – 3

Third Aphorism - Sastrayonitvat, Fourth Aphorism – Tat tu Samanvayat, with Exploration, Interpretation, Brahmman and worship, Karmavidya phala, Brahmavidyaphala.

Unit – 4

Nature of Brahman, Atman (Jiva), Jagat, Maya, Moksha.

Suggested Readings :

1. K. C. Bhattacharya : Studies in Vedantism.
2. N. K. Devaraja : An Introduction to Sankara's Theory of Knowledge.
3. S. S. Ray : The Heritage of Sankara.
4. T. M. P. Mahadevan : The Philosophy of Advaita.
5. D. M. Datta : Six Ways of Knowing.
6. रमाकान्त त्रिपाठी : ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य चतुःसूत्री
7. धर्मराजाध्वरीन्द्र : वेदान्त परिभाषा (अनु0 आचार्य गजानन शास्त्री मुसलगांवकर)
8. जे0एस0 श्रीवास्तव : अद्वैत वेदान्त की तार्किक भूमिका
9. चन्द्रधर शर्माः बौद्ध दर्शन और वेदान्त
10. अर्जुन मिश्र : अद्वैत वेदान्त
11. डॉ0 शशि देवी सिंह : शांकर वेदान्त में चैतन्य–तत्त्व

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर तृतीय,
प्रश्नपत्र चतुर्थ

काण्ट का दर्शन – I
(Critique of Pure Reason-1)

इकाई – 1

समीक्षावाद, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक निर्णय, आनुभविक एवं प्रागनुभविक निर्णय, संश्लेषात्मक प्रागनुभविक निर्णय एवं उनकी सम्भावना, कापरनिकसीय क्रान्ति।

इकाई – 2

इन्द्रिय–संवेद्यता, देश एवं काल, देश का तात्त्विक निगमन, देश का अतीन्द्रिय निगमन, काल का तात्त्विक निगमन, काल का अतीन्द्रिय निगमन।

इकाई – 3

तर्कबुद्धि, बुद्धि विकल्प, प्रागनुभविक प्रत्यय एवं आनुभविक प्रत्यय, स्वरूप एवं प्रकार, बुद्धि विकल्पों का तात्त्विक निगमन, अतीन्द्रिय तर्कशास्त्र।

इकाई – 4

बुद्धि विकल्पों का अतीन्द्रिय निगमन, आत्मगत निगमन एवं वस्तुगत निगमन समाकल्पन, आनुभविक एवं अतीन्द्रिय समाकल्पन। विशुद्ध समाकल्पन की अतीन्द्रिय संश्लेषणात्मक मौलिक एकता।

Department of Philosophy
M.A. Semester – III
Paper – IV
Philosophy of Kant – I
(Critique of Pure Reason-1)

Unit – 1

Criticism, Synthetic and Analytic Judgment, Apriori and Empirical Judgment, Synthetic Apriori Judgment and their Possibility Coppernican Revolution.

Unit – 2

Sensibility, Space and Time, Metaphysical Deduction of Space, Transcendental Deduction of Space, Metaphysical Deduction of Time, Transcendental Deduction of Time, Transcendental Logic

Unit – 3

Understanding, Categories of Understanding, Apriori Ideas and Empirical Ideas, Judgement and its kinds, Metaphysical Deduction of Categories of Understanding.

Unit – 4

Transcendental Deduction of Categories, Subjective deduction, Objective Deduction, Apperception, Empirical and Transcendental Apperception, Transcendental Synthetic Unity of Pure Consciousness.

Suggested Readings –

1. Kant (Tr. N. K. Smith) : Critique of Pure Reason
2. Paton : Metaphysics of Experience
3. A. C. Ewing : A Short Commentary on Kant's Critique of Pure Reason
4. Korner : Kant
5. Hartnock : Kant's Theory of Knowledge
6. N. K. Smith : A Short Commentary on Kant's Critique of Pure Reason
7. P. F. Strawson : Bounds of Sense
8. B. A. G. Fuller : A History of Western Philosophy
9. सभाजीत मिश्र : कान्ट का दर्शन
10. संगम लाल पाण्डेय : कान्ट का दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग

एम0ए0 सेमेस्टर चतुर्थ,

प्रश्नपत्र प्रथम

तुलनात्मक धर्म

इकाई – 1 तुलनात्मक धर्म एवं उसके प्रमुख पहलू

तुलना के आधार : वैचारिक एवं क्रियात्मक, उद्‌भव, विकास एवं उपयोगिता।

धर्मों का लक्ष्य एवं उसको प्राप्त करने का उपाय : आत्म–साक्षात्कार एवं लोक–दृष्टि (स्वधर्म एवं परधर्म)।
धर्मो में प्रतीक का स्वरूप, अर्थ और महत्व, अशुभ एवं दुःख की समस्या।

इकाई – 2 विश्व के प्रमुख धर्म

हिन्दू धर्म : तत्त्व विचार एवं आचार, विश्वैकात्म्यवाद एवं अवतारवाद ।
बौद्ध धर्म : नैरात्म्यवाद, निर्वाण और बोधिसत्व।
जैन धर्म : बन्धन, मोक्ष और पंच महाव्रत।
इसाई धर्म : ईश्वर, पवित्र आत्मा, प्रेम और मसीहा की अवधारणा।
इस्लाम धर्म : पंच स्तम्भ, सूफीवाद।

इकाई – 3 धार्मिक अनुभूति एवं धार्मिक भाषा

धार्मिक अनुभूति– रहस्यवाद, रहस्यात्मक अनुभूति की विशेषताएं,
रहस्यवाद के उदाहरण, धार्मिक चेतना का स्वरूप
धार्मिक भाषा– ए0जे0 एअर और धार्मिक भाषा, हेयर का ब्लिक
सिद्धान्त, व्रेथवेट के अनुसार धार्मिक भाषा का स्वरूप, धार्मिक भाषा
के सम्बन्ध में ए0जी0एन0 फ्लीव का मिथ्यापनीयता का सिद्धान्त

इकाई – 4 धर्म दर्शन के समक्ष समकालीन चुनौतियाँ

विश्व धर्म की सम्भावना, वैज्ञानिक अभिरुचि।

धर्म निरपेक्षता, धार्मिक सहिष्णुता एवं धार्मिक कट्टरतावाद।

डॉ0 भगवानदास के धर्म सम्बन्धी विचार, विश्व धर्मों की एकता।

Department of Philosophy

M.A. Semester IV

Paper I

Comparative Religion

Unit – 1 Comparision Religions and its major aspect

Comparision of Religions: Imporance and Methods.
Standards of Comparision : Theoritical and Practical, Origin, Development and Utility.
Aims of Religions and ways of Achieving it : Self-Realisation and World-View (Swadharm Pardharm)
Nature, meaning and Importance of symbol in religion, of evil and sorrow problems.

Unit – 2 Mejor Religions of World.

Hinduism : Metaphysics and Ethics, Theory of one Self, Incarnation.
Buddhism : Nairatmyavada, Nirvana and Bodhisattva.
Jainism : Bondage, Liberation and Pancha Mahavratas.
Christianity: God, The Holy Ghost, Concept of Christ and Love.
Islam: Five Pillars, Sufis,
Mysticism and Religious Experience

Unit – 3 Religious Experience and Religious Language

Religious Experience- Mysticism, Characteristics of Mystic Experience, Examples of Mysticism, Nature of Religious Conciousness.
Religious Language: A.J. Ayer and Religious Language, Bick Theory of Hare, Nature of Religious Language According to Braithwaite, Falsifiability Principle of A. G.N. Flew regarding Religious Language.

Unit – 4 Contemporary challenges before Philosophy of Religion.

Possibility of World Religion, Scientific Temper.
Secularism, Religious Tolerance and Religious Extrimism.
Dr. Bhagwan Das, Views on Religion: Unity of World Religions.

Suggested Readings :

1. Joachim Wach : A Comparative study of Religions.
2. P. V. Chatterji : Studies in Comparative Religion.
3. J. N. Ferkuhar : Outlines of Religions Literature of India.
4. R. S. Mishra : Philosophical Foundation of Hinduism.
5. आर0 एस0 श्रीवास्तव : तुलनात्मक धर्म
6. याकूब मसीह : धर्म का तुलनात्मक अध्ययन
7. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा : धर्म दर्शन की रूपरेखा
8. बी0एन0 त्रिपाठी : प्रमुख धर्मों का तुलनात्मक विवेचन।
9. पिताम्बरदास एवं ओम प्रकाश सोनिया : सामाजिक पुनर्निर्माण में डॉ0 भगवानदास के धर्म दर्शन का योगदान।

दर्शनशास्त्र विभाग

एम0ए0 सेमेस्टर चतुर्थ,

प्रश्नपत्र द्वितीय

समकालीन पाश्चात्य दर्शन–II

इकाई – 1

पश्चात्वर्ती विट्गेन्स्टाइनः तार्किक परमाणुवाद का खण्डन, दार्शनिक समस्याओं का स्वरूप, भाषा का प्रयोग, भाषीय–खेल।

इकाई – 2

गिल्बर्ट राइलः तार्किक व्यवहारवाद, कोटि–दोष, जे0 एल0 आस्टिनः भाषा के स्थिरार्थक एवं सम्पादनात्मक प्रयोग, वाक्–क्रिया।

इकाई – 3

डब्ल्यू0 वी0 क्वाइनः अनुभववाद के दो हठ, तीक्ष्ण अनुभववाद, पी0एफ0 स्ट्रासनः व्याख्यात्मक एवं संशोधनात्मक तत्त्वमीमांसा, व्यक्ति की अवधारणा।

इकाई – 4

हुजरल : फेनामेनालॉजिकल विधि, चेतना की विषयापेक्षा,
अस्तित्ववाद – किर्केगार्ड, हेडेगर एवं सार्त्र।

Department of Philosophy

M.A. Semester – IV

Paper – II

Contemporary Western Philosophy - II

Unit – 1

Latter Wittgenstein: Refutation of Logical-Atomism, Nature of Philosophical Problem, Uses of Language, Language Game.

Unit – 2

Gilbert Ryle: Logical Behaviourism, Categorical Mistake.
J. L. Austin : Constative and Performative Use of Languages.

Unit – 3

W.V. Quine : Two Dogmas of Empiricism, Acute Empiricism.
P.F. Strawson : Descriptive and Revisionary Metaphysics, Concept of Person

Unit – 4

Edmond Husserl : Phenomenological Method, Intentionality of Consciousness, Existentialism : Kirkegaurd, Heidegger and Sartre.

Suggested Readings :

1. D. M. Dutta : Chief Currents of Contemporary Philosophy
2. John Hospers : An Introduction to Philosophical Analysis
3. Ammerman : Classics of Analytic Philosophy
4. Richard Rorty : The Linguistic Turn
5. Pitcher : The Philosophy of Wittgenstein
6. J. Passmore : A Hundred years of Philosophy
7. B. N. Tripathi : Meaning of Life in Existentialism
8. नित्यानन्द मिश्र : समकालीन पाश्चात्य दर्शन
9. बसन्त कुमार लाल : समकालीन पाश्चात्य दर्शन
10. लक्ष्मी सक्सेना : समकालीन पाश्चात्य दर्शन

दर्शनशास्त्र विभाग

एम0ए0 सेमेस्टर चतुर्थ,

प्रश्नपत्र तृतीय

शांकर वेदान्त – II

1. **ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य** –'तर्कपाद'
2. **वेदान्त परिभाषा**–प्रमाण और प्रामाण्य

इकाई – 1

1. स्यादवाद, मध्यमपरिमाणवाद, परमाणुवाद एवं प्रकृति परिणामवाद का खण्डन।

इकाई – 2

विज्ञानवाद, शून्यवाद एवं क्षणिकवाद का खण्डन।

इकाई – 3

प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, एवं शब्द प्रमाण।

इकाई – 4

अर्थापत्ति, अनुपलब्धि, प्रामाण्यवाद– स्वतः प्रामाण्यवाद, परतः प्रामाण्यवाद का खण्डन।

Department of Philosophy

M.A. Semester -IV

Paper – III (Optional)

Sankara Vedanta – II

1. Brahma-Sutra Sankara Bhasya –'Tarkapada'
2. Vedantaparibhasa -Pramana and Pramanya)

Unit – 1

Refutaion of Syadavada, Madhyamaparinamavada, Parmanuvada and Prakritiparinamavada.

Unit – 2

Refutation of Vijnanvada, Sunyavada and Ksanikvada.

Unit – 3

Pratyaksha, Anumana, Upmana and Sabda Pramana.

Unit – 4

Arthapatti, Anupalabdhi, Pramanyavada-Svatahpramanyavada, Refutation of Paratahpramanyavada.

Suggested Readings :

1. K. C. Bhattacharya : Studies in Vedantism.
2. N. K. Devraja : An Introduction to Sankara's Theory of Knowledge.
3. S. S. Ray : The Heritage of Sankara.
4. T. M. P. Mahadevan : The Philosophy of Advaita.
5. D. M. Datta : Six Ways of Knowing.
6. रमाकान्त त्रिपाठी : ब्रह्मसूत्र ाांकर भाष्य चतुःसूत्री
7. धर्मराजाध्वरीन्द्र : वेदान्त परिभाषा (अनु0 आचार्य गजानन शास्त्री मुसलगांवकर)
8. जे0 एस0 श्रीवास्तव : अद्वैत वेदान्त की तार्किक भूमिका
9. चन्द्रधर शर्मा : बौद्ध दर्शन और वेदान्त
10. अर्जुन मिश्र : अद्वैत वेदान्त
11. डॉ0 शशि देवी सिंह : शांकर वेदान्त में चैतन्य–तत्त्व

दर्शनशास्त्र विभाग
एम0ए0 सेमेस्टर चतुर्थ
प्रश्नपत्र चतुर्थ
मौखिकी **पूर्णांक 100**

इस प्रश्न पत्र में छात्र–छात्राओं से अपेक्षा की जाती है कि वे उन सभी प्रश्नों का उत्तर दें जो वाह्य–परीक्षक द्वारा पूछा जाता है। प्रश्न दर्शनशास्त्र के चारो सेमेस्टर में अध्ययन किये गये प्रश्न पत्रों से ही होंगे।

Department of Philosophy
M.A. Semester IV
Paper IV
Viva-Vocie **Marks-100**

In his paper students are aspected to answer all questions whatever asked by external examineer. Question shall be concernd to all papers which are studied in all four semesters of Philosophy.